बर्षः- 06
अंकः- 71
मुरादाबाद
(Wednesday)
01 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

योगी का सपा पर हमलाः गलत हाथों में पड़ा चाकू तो डकैती डाली, जमीनों पर किए कब्जे, अब विकास बन रहा हथियार

एक सैफई, दूसरा रामपुर का परिवार ही विकसित हुआ, भर्ती से चाचा-भतीजे करते थे वसूली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामपुर में 690 करोड़ रुपये की 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में ओडीओपी योजना से उद्योगों को नई पहचान मिली है। गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है और कानून व्यवस्था पहले से अधिक मजबूत हुई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को रामपुर में करीब 690 करोड़ रुपये की लागत वाली 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। शाहबाद में आयोजित जनसभा में उन्होंने विकास कार्यों का ब्योरा देने के साथ समाजवादी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। योगी ने आरोप लगाया कि पहले रामपुर के पारंपरिक उद्योगों को बर्बाद किया गया और चाकू जैसे प्रसिद्ध उत्पाद का इस्तेमाल जमीनों पर कब्जे और लोगों को प्रताड़ित करने के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में यही चाकू अब हुनर, रोजगार और सुरक्षा का प्रतीक बन रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी वह रामपुर आते हैं तो विकास की नई योजनाएं साथ लेकर आते हैं। उन्होंने बताया कि 102 परियोजनाओं से मिलक और बिलासपुर विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले रामपुर के पैचवर्क, जरी-बूटा और वायलिन जैसे पारंपरिक उद्योग संकट में थे। प्रदेश सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के जरिए इन उद्योगों को नया बाजार और नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि अब रामपुर के कारीगरों और उद्यमियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं।%गलत हाथों में पड़ा चाकू तो डकैती डाली

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, चाकू अगर गलत व्यक्ति के हाथ में पड़ जाए तो वह उससे डकैती डालेगा। समाजवादी पार्टी ने रामपुर के चाकू का दुरुपयोग किया, जमीनों पर कब्जे किए, लोगों को प्रताड़ित किया और उनका शोषण किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद कानून का राज स्थापित हुआ और रामपुर की पहचान अब उद्योग, सुरक्षा और विकास से जुड़ रही है।

इंफ्रास्ट्रक्चर से दौड़ेगी अर्थव्यवस्था- योगी ने कहा कि मजबूत सड़कें, पुल और एक्सप्रेसवे केवल वाहनों की गति नहीं बढ़ाते बल्कि अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार देते हैं। उन्होंने बताया कि गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर रामपुर से होकर गुजरेगा, जिससे व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार रेलवे फ्लाईओवर, फोरलेन सड़कें और अन्य आधारभूत परियोजनाओं पर तेजी से काम कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की प्रत्येक तहसील में फायर स्टेशन स्थापित करने की योजना पर काम चल रहा है। जहां आवश्यकता है वहां नए डिग्री कॉलेज, पॉलिटेक्निक और आईटीआई खोले जा रहे हैं। पुराने विद्यालयों को प्रोजेक्ट अलंकार और ऑपरेशन कायाकल्प के तहत आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है।गरीबों तक बिना भेदभाव पहुंच रही योजनाएं- योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार बिना किसी भेदभाव के गरीबों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। हर महीने मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है और ई-पॉस मशीनों से पूरे वितरण तंत्र की निगरानी की जा रही है। उज्ज्वला योजना से गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन मिले हैं और आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है।

जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, उनके इलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाती है।रामपुर में 690 करोड़ रुपये की 102 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ही अर्थव्यवस्था को गति देता है। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले विकास कुछ परिवारों तक सीमित था, जबकि भाजपा सरकार बिना भेदभाव सभी तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है।जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने रामपुर की सांस्कृतिक, धार्मिक और औद्योगिक पहचान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब भी वह रामपुर आते हैं तो यहां का मौसम शिमला जैसा सुहाना हो जाता है। उन्होंने कहा कि रामपुर की यह धरती भगवान महाकालेश्वर महादेव, ओम नागेश्वर महादेव, कोसी मंदिर और मां बाला सुंदरी जैसे आस्था केंद्रों से समृद्ध है। यह जनपद भारत की सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना को नई ऊंचाइयां देने वाली भूमि है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सरकारी भर्तियां भ्रष्टाचार और धांधली का माध्यम बन चुकी थीं। भर्ती निकलते ही चाचा-भतीजे वसूली के लिए निकल पड़ते थे और कई भर्तियों पर अदालत को रोक लगानी पड़ती थी। उन्होंने दावा किया कि अब सरकारी नौकरियां पूरी पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर दी जा रही हैं।दो परिवारों तक सीमित था विकास- योगी ने आरोप लगाया कि पहले विकास केवल एक सैफई परिवार और दूसरा रामपुर का एक परिवार तक सीमित था, जबकि बाकी प्रदेश विकास से वंचित रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में विकास का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग तक पहुंच रहा है और उत्तर प्रदेश देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होगा और बहन-बेटियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान के खिलाफ अपराध करने वालों को कानून सख्त सजा देगा। सभा के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि जब जनता अच्छे जनप्रतिनिधियों का चुनाव करती है तो विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ते हैं, कानून-व्यवस्था मजबूत होती है और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है।

संक्षिप्त समाचार

23 राजनीतिक दलों और 1 निर्दलीय सांसद ने लिखा पत्र, एसआईआर पर चीफ जस्टिस से कहा?

चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में 23 राजनीतिक दलों और 1 निर्दलीय सांसद ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर इस संयुक्त पत्र के बारे में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जानकारी दी।कांग्रेस ने कहा है कि 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को एक संयुक्त पत्र भेजा है। यह पत्र निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया और चुनाव संबंधी अन्य मुद्दों पर है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया %एक्स% पर यह जानकारी दी। इस पत्र में विपक्षी गठबंधन ने एसआईआर के पालन के मामले में न्यायपालिका से हस्तक्षेप की मांग की है। प्रभावित किया जा रहा है। विपक्षी गठबंधन में एकजुटता दिखाने की कोशिश- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में बताया कि 21 विपक्षी राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने 8 जून को हुई विपक्षी गठबंधन की बैठक में भाग लिया था। अब 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने इस पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इंडिया गठबंधन की 8 जून, 2026 की बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, उमर अब्दुल्ला और सुप्रिया सुले आदि नेता मौजूद थे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः एसआईटी ने ट्रस्ट में सीईओ व्यवस्था लागू करने की सिफारिश की

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी ने सीईओ व्यवस्था लागू करने की सिफारिश की है। साथ ही यह भी कहा कि सेवानिवृत्त नहीं, सेवारत अधिकारी ट्रस्ट का सीईओ बने। कई मंदिरों में यही व्यवस्था है। यहां पर मंडलायुक्त, डीएम या कोई राजस्व अधिकारी सीईओ हो सकता है। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर होने के बाद एसआईटी ने अन्य मंदिरों की तरह यहां पर भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति करने की सिफारिश की है। जब ये व्यवस्था लागू होगी तो किसी सेवारत अधिकारी की नियुक्ति की जा सकती है। इसमें मंडलायुक्त, जिले के डीएम या कोई राजस्व अधिकारी हो सकता है। दरअसल, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को अब तक मुख्य रूप से चंपत राय, अनिल मिश्रा व गोपाल राव चला रहे थे। अन्य पदाधिकारियों का हस्तक्षेप न के बराबर रहा। ट्रस्ट का गठन फरवरी 2020 में हुआ था। छह साल के भीतर कई विवाद जुड़े। वहीं अब चढ़ावा चोरी जैसा गंभीर मामला उजागर हुआ। इसलिए एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट में सीईओ को नियुक्त करने की सिफारिश की है, जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता आए और जवाबदेही भी तय की जा सके। घर-परिवार व किसी कंपनी की तरह ट्रस्ट का संचालन न हो।अब तक ये चर्चा रही है कि किसी सेवानिवृत्त अधिकारी को सीईओ नियुक्त किया जा सकता है। इसमें कई अधिकारियों के नाम भी चर्चा में हैं। लेकिन पुख्ता सूत्र बताते हैं कि राम मंदिर में जो सीईओ नियुक्त होगा, वह सेवारत अधिकारी ही रहेगा। कौन होगा और कब इस नियुक्ति की जाएगी, इसको लेकर मंथन चल रहा है। एसआईटी की विस्तृत जांच पूरी होने के बाद इस प्रक्रिया की शुरुआत होने की संभावना है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी को मायावती ने बताया बेहद गंभीर मामला, बोलीं- इसका राजनीतिकरण करना ठीक नहीं

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को बसपा सुप्रीमो मायावती ने बेहद गंभीर मामला बताया। उन्होंने इसका राजनीतिकरण न करने की नसीहत दी।बसपा सुप्रीमो मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया। साथ ही इसका राजनीतिकरण न करने की सलाह दी।उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'X' पर बयान जारी किया। इसमें कहा कि अयोध्या में श्री राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी, हेराफेरी और गलत इस्तेमाल के बारे में रोज़ाना आ रही मीडिया रिपोर्ट्स बेहद गंभीर और चिंताजनक हैं। ऐसे लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए। लेकिन, इस मुद्दे का राजनीतिकरण करना भी सही नहीं है।बसपा सुप्रीमो ने आगे कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में मंदिर में भक्तों द्वारा चढ़ाए गए चढ़ावे को लेकर कोई शिकायत न हो। देश के अन्य मशहूर और प्रसिद्ध मंदिरों में चंदे और चढ़ावे का हिसाब-किताब रखने के लिए अपनाई जाने वाली व्यवस्था को अपनाना चाहिए। साथ ही इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाना उचित होगा।

देश का सबसे बड़ा भंडार!: सोनभद्र में एल्युमिनियम सिलिकेट, यूपी-झारखंड सीमा पर हैं छह ब्लॉक; 26ः तक ग्रेड आंका

यूपी में एल्युमिनियम सिलिकेट का भंडार मिला है। यूपी और झारखंड सीमा पर छह ब्लॉक हैं। देश का सबसे बड़ा भंडार होने का भी अनुमान है। कोन-विंढमगंज के 48 वर्ग किमी क्षेत्र में चार चरणों में सर्वेक्षण हो चुका है। संभावित खनन को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है। सोनभद्र जिले में एल्युमिनियम सिलिकेट अयस्क (एंडालुसाइट) का बड़ा भंडार मिला है। भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) की रिपोर्ट 2024 के अनुसार, उत्तर प्रदेश और झारखंड की सीमा पर एंडालुसाइट के छह नए ब्लॉक चिन्हित किए गए हैं। कुल भंडार का 91 प्रतिशत यानी 114.25 मिलियन टन अनुमानित सोनभद्र में है। देश का सबसे बड़ा एंडालुसाइट का भंडार होने का भी अनुमान है। ब्राजील और श्रीलंका एंडालुसाइट के प्रमुख उत्पादक देशों में शामिल हैं। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) की ओर से कोन-विंढमगंज क्षेत्र से जुड़े 48 वर्ग किलोमीटर इलाके में चार चरणों में किए गए सर्वेक्षण में उत्साहजनक परिणाम मिलने के बाद विस्तृत शोध, ड्रिलिंग और संभावित खनन को लेकर प्रक्रिया तेज कर दी गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय और बीएचयू के भू-वैज्ञानिकों की टीम कई बार जिले के खनिज भंडारों का सर्वे कर चुकी है। सर्वेक्षण में रेणुकूट वन प्रभाग स्थित जमतिहवा नाला की लगभग 180 करोड़ वर्ष पुरानी चट्टानों से लेकर रजखड़ और दुद्धी के उत्तर की पहाड़ियों तक एंडालुसाइट की परतें मिलने की संभावनाएं सामने आई हैं। छह फ्री होल्ड डिपॉजिट (ब्लॉक) चिन्हित- वहीं, वर्ष 2012-13 से 2020-21 तक जीएसआई ने चार चरणों में झारखंड से सटे कोन-विंढमगंज क्षेत्र (सलईडीह-हरवरिया क्षेत्र) के लगभग 48 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का सर्वेक्षण किया था। भारतीय खान ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक, 1 अप्रैल 2020 तक जीएसआई की ओर से किए गए सर्वेक्षण के आधार पर उत्तर प्रदेश और झारखंड में एंडालुसाइट के छह फ्री होल्ड डिपॉजिट (ब्लॉक) चिन्हित किए गए। एंडालुसाइट का औसत ग्रेड 24 से 26 प्रतिशत आंका- इनमें सोनभद्र के सलईडीह-हरवरिया, फुलवार समेत पांच ब्लॉक शामिल हैं, जहां 114.25 मिलियन टन (91 प्रतिशत) भंडार होने का अनुमान है। झारखंड के गढ़वा जिले के नगर-उंटारी क्षेत्र में 11.8 मिलियन टन (9 प्रतिशत) भंडार मिला है। एंडालुसाइट का औसत ग्रेड 24 से 26 प्रतिशत आंका गया है। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और रायपुर, ओडिशा के मलकानगिरी, राजस्थान के झुंझुनू, नागौर और टोंक तथा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में भी एंडालुसाइट के संकेत मिले हैं। सिलिमेनाइट के भी बड़ा भंडार होने के हैं संकेत- सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, सोनभद्र जिले की दक्षिणी सीमा पर छत्तीसगढ़ से सटे बभनी-बीजपुर क्षेत्र में सिलिमेनाइट (एल्युमिनो सिलिकेट खनिज) चट्टानों में बिखरे हुए क्रिस्टल के रूप में पाया गया है। यह पूरा क्षेत्र 600 मीटर से अधिक चौड़ा है और पूर्व में आसनडीह से पश्चिम में बाजिया तक छह किलोमीटर से अधिक दूरी में फैला है। इस बेल्ट के मध्य भाग में छिपिया गांव के पास 200 मीटर चौड़े क्षेत्र में सिलिमेनाइट के बड़े क्रिस्टल मिलने के संकेत हैं। रिपोर्ट में यह भी संभावना जताई गई है कि इस बेल्ट के भीतर 10 से 25 मीटर चौड़े ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें 16 से 32 प्रतिशत (औसतन 25 प्रतिशत) सिलिमेनाइट मौजूद है। इसका कुल अनुमानित भंडार 10 मिलियन टन बताया गया है। कई उद्योगों में होता है एंडालुसाइट का उपयोग- एंडालुसाइट खनिज का उपयोग रत्न के रूप में भी किया जाता है। औद्योगिक क्षेत्र में इसका प्रमुख उपयोग इस्पात, सीमेंट और कांच उद्योगों में उच्च तापमान वाली भट्टियों की लाइनिंग के लिए अग्निरोधी ईंटें और ब्लॉक बनाने में होता है। यह अत्यधिक तापमान और रासायनिक दबाव को बिना पिघले सहन कर सकता है। ऑटोमोबाइल स्पार्क प्लग, उच्च गुणवत्ता वाले सिरेमिक उत्पाद, धातु ढलाई के सांचे और कोर बनाने में भी इसका उपयोग किया जाता है। भी तैयार किए जाते हैं। सिलिमेनाइट का उपयोग इस्पात, कांच, सिरेमिक, इंसुलेटर, उच्च वोल्टेज स्पार्क प्लग, सीमेंट भट्टियों और पेट्रोकेमिकल रिफाइनरियों में बड़े पैमाने पर किया जाता है। सोनभद्र में एंडालुसाइट का बड़ा भंडार है। व्यावसायिक दृष्टि से इसकी काफी उपयोगिता है। विस्तृत सर्वेक्षण और खनन शुरू होने पर जिले में बड़े औद्योगिक निवेश और रोजगार की संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। - प्रो. विभूति राय, भू-विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय। खनिज सर्वेक्षण का कार्य जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया करता है। खनिज सर्वेक्षण और खनन से जुड़ी अन्य प्रक्रियाएं मुख्यालय स्तर से संचालित होती हैं।

संपादकीय Editorial

How will a compromise be reached?

In India's context, June 25th marks an undemocratic, oppressive, and dictatorial emergency. However, globally, emergencies have also emerged, as everything between the United States and Iran remains contradictory. The two countries have signed a 14-point memorandum of understanding, but dialogue has stalled or is continuing through mediators. US President Trump is repeatedly threatening a devastating attack. Most people there believe that the US has lost the Iran war. The US has had to accept almost all of the Iranian conditions in the memorandum of understanding. Trump has also lost in the Senate, as the US Congress has passed the "War Powers" resolution. Now, President Trump cannot jump into any war without the prior approval of the Congress. However, Iran is also ready to retaliate against Trump's threats. A secret letter from its Supreme Leader, Mojtaba Khamenei, has been leaked, clearly ordering an immediate halt to negotiations with the US. In this warlike atmosphere, Iran successfully tested the "Qader" ballistic missile. The US and Iran are militarily deployed on the war fronts. Is such a compromise possible? Iran and Israel are once again preparing and deploying to launch devastating attacks against each other. President Trump has failed to pressure Israeli Prime Minister Netanyahu to stop the attacks on Lebanon. Israel continues to wreak havoc and destruction in southern Lebanon through aerial bombardment. Killings are ongoing, people are being displaced, but Trump simply threatens Iran that if a deal is not reached, they will face even more devastating attacks. Iran is already devastated. President Trump's threats have prevented negotiations for a deal from lasting even 24 hours. The Iranian delegation neither shook hands with the US team nor posed for a joint photo, but instead walked out of the negotiating hall. Iran has made it clear to the mediators that they will not negotiate with the US in this manner. So, will a deal not be reached? The more pressing question is how will a final agreement be reached given Trump's desire to keep Iran on edge? Iran has refuted statements made by US President Trump and Vice President Vance regarding Iran's nuclear facilities, uranium enrichment, and its obligation to purchase American goods. Iran has clearly told the US and the International Atomic Energy Agency (IAEA) that inspections of nuclear sites are possible only after a final agreement is reached. The Iranian delegation has also refused to meet with IAEA chief Rafael Grossi in Switzerland. There are so many contradictions between the US and Iran that the question naturally arises: how will a final agreement be reached? Will there be an agreement at all? In a significant decision, the White House has exempted Iranian oil from sanctions. This is the first historic decision the US has taken since 1979. While Iran will only experience oil freedom for 60 days of negotiations, it is a crucial decision for its economy. The agreement also stipulates that Iran will always remain free from sanctions. If an agreement is reached, Iran will have to be permanently exempted from sanctions. However, Iran will be able to sell oil worth $40-43 billion during this period. In light of this, India has also purchased 3.885 million barrels of oil from Iran. It is possible that a new agreement may be reached between the two countries! Eleven Indian ships and tankers have crossed the Strait of Hormuz, carrying crude oil, LNG, LPG, and fertilizers. Ten more Indian ships are currently stranded there. They too can return with oil and gas within this 60-day period. Meanwhile, the US has imposed a condition on Iran that Iran will sell oil only to the US after the sanctions are lifted, but Iran has flatly refused. Trump also stipulates that Iran will purchase.

Train seats, anger, and death: Why have we become so impatient?

Even before the train reaches the platform, passengers gather at the doors. Those inside are busy securing their seats, while those standing outside are desperately trying to get inside. In such an environment, tension is bound to arise. The news of the beating to death of security guard Pankaj Dhama at Delhi's Shahdara railway station, following a dispute over boarding the general compartment of the Yoga Express, is not merely a criminal incident; it reflects a society that is rapidly progressing but is becoming increasingly restless, impatient, and aggressive. The question isn't why a person was murdered. The real question is: how can a seat, a push, or a minor altercation lead to someone's death? In India, railways are not just a means of transportation. They are a part of the everyday lives of millions of people. Millions of people travel by train every day for work, education, business, and family-related purposes. However, the situation in general compartments is often such that the journey itself is not about travel, but about space. Even before the train reaches the platform, passengers gather at the doors. Those inside are busy securing their seats, while those standing outside are desperately trying to get inside. In such an environment, tensions are bound to arise. However, crowds are not the only cause of violence. Crowds have existed for decades. In the past, trains used to be jostling, and arguments over seats would arise. Most disputes would subside after a while. Today, the situation has changed. People's anger is more pent-up than ever before. Inflation, job worries, family pressures, social competition, and uncertainty about the future have mentally exhausted individuals. In such a situation, even a small incident can turn this pent-up stress into an explosion. Psychologists say that a person constantly under stress begins to take even minor inconveniences as personal insults, feeling that everyone is trying to usurp their rights. A dispute over a seat on a train becomes no longer just a dispute over a seat, but a battle for respect, authority, and dominance. This is why even ordinary quarrels often turn violent. Another aspect of this problem is mob mentality. When a dispute erupts in a public place, people often choose sides instead of understanding. Some spectators, some instigate provocations, and others raise their hands without proper information. In a crowd, individuals forget their personal responsibility. They feel they will not be recognized among so many people, and this very thought often leads to mass violence. It is also worth considering that despite the expansion of railways in the country, new trains havebeen introduced, and stations have been modernized, why does the seat crisis persist? The answer lies in India's vast population and rapidly increasing travel needs. Employment and educational opportunities are concentrated in a few select cities. Millions of people are forced to travel long distances daily or regularly. The rapid growth of passenger numbers often outpaces the availability of amenities. As a result, pressure on general compartments is constantly increasing. At the government level, solutions to this problem should not be limited to running new trains. More general coaches should be added to busy routes, additional services for unreserved passengers should be introduced, and security at sensitive stations should be strengthened. The effective presence of the Railway Protection Force and the General Police Force (GRP) can prevent many disputes at the initial stage. The message of swift and strict action in cases of violence should also reach the society. However, the government alone cannotdo everything. This problem is also linked to the behavior of society. We must acknowledge that we are gradually losing the culture of dialogue. There is a growing tendency to consider disagreement as hostility and debate as war. Values ??like patience, tolerance, and respect for the rights of others are weakening in public life. Schools, families, and social institutions should not only teach lessons about success, but also teach restraint, tolerance, and emotional control. Society becomes stronger when its citizens learn to control their anger. The law can punish crime, but only society can instill the values ??that prevent crime from occurring. Pankaj Dhama's death forces us to ask an uncomfortable question: Are we facing a lack of patience more than a lack of facilities? If a dispute over a seat can claim someone's life, then the problem isn't just with the railways, but also with our social behavior. Development won't be measured solely by new rail lines, stations, and trains. Its true test will be whether two strangers standing in a crowd raise their hands against each other in a dispute or choose dialogue. A civilized society is defined not by its speed, but by its restraint. Perhaps today we need to rediscover that restraint.

Policy Continuity and the Impact of Tough Decisions in Uttarakhand

Any government should be judged not just by announcements, but by the policy decisions that impact the state's administrative, social, and economic direction. Leading a state like Uttarakhand, which is geographically, socially, and ecologically sensitive, has always been challenging. In the 26 years since its formation, ten Chief Ministers have come to power, each attempting to shape development in accordance with their own priorities. Among these, the late Narayan Dutt Tiwari's industrial and infrastructure development is particularly noteworthy. However, Chief Minister Pushkar Singh Dhami's tenure stands out in that it saw the adoption of several decisions that had been postponed for a long time due to political risks. Any government should be judged not just by announcements, but by the policy decisions that impact the state's administrative, social, and economic direction. The Dhami government's most celebrated and far-reaching initiative was the implementation of the country's first Uniform Civil Code (UCC). While debate continues over its constitutional validity and practical aspects, it is undeniable that Uttarakhand led the national discourse on this issue. Developing a uniform legal framework for sensitive issues like marriage, divorce, inheritance, and property was no easy task in a state with diverse social groups. This initiative has established Uttarakhand as a national policy laboratory, and many other states have also shown interest in this direction. The anti-cheating law, which concerns the future of youth and administrative credibility, can also be considered a decision in this category. Paper leaks and irregularities in recruitment exams had long eroded youth confidence. Following this law, which includes stringent punitive provisions, the recruitment exam process has become more transparent and timely. The progress in the recruitment process for thousands of posts reflects an effort to restore youth's trust in the system. The decision to grant 30 percent horizontal reservation to women in government jobs is not only a matter of social justice but also a means to strengthen the mountain economy. In Uttarakhand's rural areas, women are the mainstay of agriculture, water conservation, and the family economy. Increasing employment opportunities can also help foster economic stability and control migration at the local level. Regarding law and order and administrative resilience, the government has clearly established its policy stance by tightening anti-conversion laws, launching campaigns against illegal encroachments, and taking action against mafia and organized crime. Supporters consider this an establishment of the rule of law, while critics question its social impact. Such debates are natural in a democratic system, but it is significant that the government has not shied away from taking decisions on these issues. Another significant achievement of the Dhami government's tenure relates to equal opportunities and the protection of local interests. In keeping with the spirit of the statehood movement, efforts have been made to increase the participation of local youth in various services and prioritize local employment in investment projects. This has given new relevance to the core objectives of the statehood movement. On the economic front, Uttarakhand's connectivity has seen significant changes. The Delhi-Dehradun Expressway, the Chardham All-Weather Road, the Rishikesh-Karnprayag Rail Project, expanded helicopter services, and the expansion of the road network in border areas are key components of the state's development strategy. The impact of these projects will not be limited to tourism, but will also be significant for the marketing of agricultural products, disaster management, and defense. The Global Investors Summit, organized to attract investment, also placed Uttarakhand more prominently on the national investment map. While the implementation of investment agreements remains a challenge, investment opportunities in the industrial, tourism, energy, and service sectors have given new impetus to the state's economic aspirations. New industrial policies, startup incentives, and efforts to promote tourism-based entrepreneurship are also noteworthy. In the tourism sector.

रामपुर को 777 करोड़ की सौगात, सीएम योगी ने किया 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

सीएम योगी बोले, पहले सरकारी भर्ती निकलते ही वसूली पर निकल पड़ती थी चाचा-भतीजे की जोड़ी

रामपुर के शाहबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के लिए पहुंचे। इस दौरान जनसभा में उन्होंने प्रदेश के विकास के साथ सपा और कांग्रेस की सरकारों पर जमकर निशाना साधा। इस बार उनके निशाने पर सपा अध्यक्ष के साथ ही उनके चाचा और पूर्व मंत्री शिवपाल यादव भी रहे। उन्होंने कहा कि रामपुरी चाकू सपा सरकार में लूट और डकैती का जरिया था, जबकि हमारी सरकार में यह हुनर और सुरक्षा का माध्यम बन गया है। मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग पहले भगवान राम और कृष्ण के अस्तित्व पर सवाल उठाते थे, वे आज रामलला के दर्शन के लिए होड़ कर रहे हैं। हनुमान जी और %कालनेमि% का प्रसंग सुनाते हुए सीएम ने कहा कि रामभक्तों पर गोलियां चलवाने वाले भी आज लोकतंत्र की ताकत के आगे रामभक्ति की बात करने को मजबूर हैं। अब कालनेमि की तरह रूप बदलकर आपके सामने आ रहे हैं। रामपुर की धरती भगवान महाकालेश्वर महादेव, ओम नागेश्वर महादेव, कोसी मंदिर और मां बाला सुंदरी जैसे आस्था केंद्रों से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में कांवड़ यात्रा और जन्माष्टमी पर रोक थी, लेकिन आज अयोध्या, काशी और महाकुंभ यूपी की नई पहचान हैं और सभी पर्व बिना उपद्रव के मनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज युवाओं को अपने ही प्रदेश में रोजगार मिल रहा है। जबकि सपा सरकार में कोई सरकारी नौकरी या भर्ती निकलती थी, तो %चाचा-भतीजे% की जोड़ी वसूली के लिए निकल पड़ती थी। 2017 से पहले युवाओं के रोजगार पर डाका डाला जाता था। धांधली इतनी होती थी कि न्यायालय से उस पर रोक ही लग जाती थी। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और डबल इंजन की सरकार में युवाओं को योग्यता और मेहनत के आधार पर पारदर्शिता के साथ रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। 2017 से पहले सत्ता निरंकुश थी, जिसने गरीबों और वाल्मीकि समाज की जमीनें छीनीं, लेकिन आज का विकास किसी %सैफई परिवार% तक सीमित नहीं है। रामपुर के हुनर और पारंपरिक उद्यम पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पुलिस उत्पीड़न के कारण रामपुर का पैचवर्क, जरी-बूटा और वायलिन उद्योग चौपट हो चुके थे। हमारी सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट% (ओडीओपी) योजना ने इन उद्योगों को नया बाजार और संजीवनी दी है। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का ऐलान करते हुए उन्होंने बताया कि नया %गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर% रामपुर से होकर गुजरेगा, जो पूर्वी यूपी को पश्चिमी यूपी और पानीपत से जोड़ेगा। रामपुर में 690 करोड़ रुपये की 102 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ही अर्थव्यवस्था को गति देता है।

इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले विकास कुछ परिवारों तक सीमित था, जबकि भाजपा सरकार बिना भेदभाव सभी तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को मुरादाबाद से रामपुर पहुंचे। शाहबाद में आयोजित जनसभा में उन्होंने करीब 690 करोड़ रुपये की लागत वाली 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। यह परियोजनाएं मुख्य रूप से मिलक और बिलासपुर विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित हैं। मुख्यमंत्री के आगमन पर भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने रामपुर की सांस्कृतिक, धार्मिक और औद्योगिक पहचान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब भी वह रामपुर आते हैं तो यहां का मौसम शिमला जैसा सुहाना हो जाता है। उन्होंने कहा कि रामपुर की यह धरती भगवान महाकालेश्वर महादेव, ओम नागेश्वर महादेव, कोसी मंदिर और मां बाला सुंदरी जैसे आस्था केंद्रों से समृद्ध है। यह जनपद भारत की सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना को नई ऊंचाइयां देने वाली भूमि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामपुर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ पैचवर्क, वायलिन निर्माण और मेंथा उत्पादन के लिए भी देशभर में पहचान रखता है। यहां के किसान और उद्यमी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नए-नए नवाचार किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि जब वह रामपुर आते हैं तो विकास की योजनाएं भी साथ लेकर आते हैं। इसी क्रम में आज करीब 690 करोड़ रुपये की लागत वाली 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। इन परियोजनाओं से मिलक और बिलासपुर विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। सपा शासन में गरीबों और दलितों की जमीनें छीनी गईं- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले का रामपुर और आज का रामपुर, दोनों की तस्वीर जनता के सामने है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब यहां गरीबों की जमीनों पर कब्जे किए जाते थे। वाल्मीकि समाज के लोगों को उनकी जमीनों से जबरन वंचित कर दिया जाता था। जब सत्ता निरंकुश हो जाती है तो वह अन्याय का पर्याय बन जाती है। समाजवादी पार्टी के शासन में दलितों और गरीबों की आवाज को दबाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि जब सत्ता जनता के हितों के खिलाफ काम करती है तो जनता उसे सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा देती है। उन्होंने कहा कि रामपुर से जो संदेश निकला, वह पूरे उत्तर प्रदेश में पहुंचा और समाजवादी पार्टी की निरंकुशता पर जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से अंकुश लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उसी का परिणाम है कि रामपुर को नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि रामपुर अब विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के साथ नया रामपुर भी अपनी समृद्ध विरासत और विकास की नई कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं का लाभ अब रामपुर के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रहा है और जनपद में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। भर्ती निकलते ही चाचा-भतीजे वसूली के लिए निकल पड़ते थे- योगी रामपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और विकास का जिक्र करते हुए समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में पहचान बना चुका है। प्रदेश सबसे अधिक रोजगार देने, किसानों को सबसे अधिक अनुदान देने, युवाओं के लिए रोजगार सृजित करने, खाद्यान्न, दुग्ध, चीनी और एथेनॉल उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश लगभग हर पैमाने पर सबसे निचले पायदान पर होता था, जबकि आज अधिकांश क्षेत्रों में पहले या दूसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश पहचान के संकट से जूझ रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी और किसान आत्महत्या करने को मजबूर थे। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर नहीं थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब भी कोई सरकारी भर्ती निकलती थी तो चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए निकल पड़ती थी। एक सैफई परिवार और दूसरा रामपुर का एक परिवार का विकास हुआ योगी ने कहा कि पहले भर्ती प्रक्रिया में धांधली होती थी और न्यायालय को उस पर रोक लगानी पड़ती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकारों की निरंकुश नीतियों के कारण प्रदेश के पारंपरिक उद्योग बंद हो रहे थे। किसानों के लिए कोई प्रभावी योजना नहीं थी, गरीबों के कल्याण की योजनाएं नहीं थीं और सड़क, पुल-पुलिया जैसे विकास कार्यों के लिए सरकार के पास धन नहीं होता था। मुख्यमंत्री ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा, उस समय विकास केवल दो परिवारों का होता था-एक सैफई परिवार और दूसरा रामपुर का एक परिवार। बाकी प्रदेश और रामपुर की जनता विकास से वंचित रहती थी। योगी ने कहा कि आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है, निवेश बढ़ा है, रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं और विकास का लाभ बिना भेदभाव हर वर्ग तक पहुंचाया जा रहा है। विरासत का अपमान होता था, अब बिना रोक-टोक निकलती है कांवड़ यात्रा- योगी- रामपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश की विरासत का अपमान किया जाता था और समाजवादी पार्टी ने बहन-बेटियों की सुरक्षा के साथ भी समझौता किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने विरासत का अपमान करने और बहन-बेटियों को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। उस समय कांवड़ यात्रा तक को निकलने नहीं देने की बातें होती थीं। किसी भी बड़े पर्व या त्योहार से पहले उपद्रव, दंगे और फसाद उत्तर प्रदेश की पहचान बन जाते थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले होली, दीपावली, जन्माष्टमी और अन्य धार्मिक आयोजनों को लेकर भी बाधाएं उत्पन्न होती थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन पर भी रोक लगाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद इन सभी बाधाओं को समाप्त किया गया। उन्होंने कहा कि आज कांवड़ यात्रा पूरे उत्साह और धूमधाम से निकलती है। दीपावली, होली, रामनवमी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, विजयादशमी और दुर्गा पूजा सहित सभी पर्व बिना किसी रोक-टोक के मनाए जाते हैं। प्रदेश में उत्सव का माहौल वापस लौटा है। योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विरासत को सम्मान देते हुए विकास और अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और आर्थिक विकास का मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या समेत प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों का तेजी से विकास हो रहा है और इसका लाभ पर्यटन तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मिल रहा है। %अयोध्या से महाकुंभ तक विरासत को नई पहचान मिली%, सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना रामपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या, काशी और प्रयागराज के विकास का उल्लेख करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सम्मान देकर विकास का नया मॉडल बन चुका है। कहा कि आज अयोध्या रेल, फोरलेन सड़क और हवाई मार्ग से देश-दुनिया से जुड़ चुकी है। महर्षि वाल्मीकि के नाम पर बने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने अयोध्या की पहचान को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि त्रेतायुग की स्मृतियों को संजोए अयोध्या आज विश्वभर के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बन गई है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले जय श्रीराम का नारा लगाने वालों पर लाठियां चलाई जाती थीं। रामभक्त जब रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे कहते थे, तब उन पर गोलियां चलाई जाती थीं। आज वही लोग भगवान राम की भक्ति और आस्था की बात कर रहे हैं। यह जनता की ताकत और लोकतंत्र की शक्ति है कि उन्हें अपना रुख बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पहले भगवान राम और भगवान श्रीकृष्ण के अस्तित्व पर सवाल उठाती थीं, लेकिन आज अयोध्या जाने की होड़ लगी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम सबके हैं और जनता सब कुछ देख रही है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान श्रीराम की भक्ति व्यक्ति को अन्याय और षड्यंत्र से लड़ने की शक्ति देती है। उन्होंने हनुमान जी और कालनेमि का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि रामभक्ति हर प्रकार की बाधा को दूर करने का सामर्थ्य देती है। योगी ने कहा कि विपक्ष को इस बात की चिंता है कि अयोध्या इतनी भव्य कैसे हो गई, काशी विश्वनाथ धाम इतना सुंदर कैसे बन गया, मां विंध्यवासिनी धाम का कायाकल्प कैसे हो गया और प्रयागराज महाकुंभ ने देश-दुनिया को अपनी ओर कैसे आकर्षित कर लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विरासत और विकास का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसमें धार्मिक आस्था, पर्यटन, आधारभूत ढांचा और अर्थव्यवस्था एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। यही नए उत्तर प्रदेश की पहचान है। गलत व्यक्ति के हाथ में चाकू पड़े तो डकैती डालेगा, सपा ने रामपुर के चाकू का किया दुरुपयोग- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को रोजगार, प्रदेश की अर्थव्यवस्था और पारंपरिक उद्योगों का उल्लेख करते हुए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश सरकार की भर्तियों में पारदर्शिता है और सरकारी नौकरियों का लाभ प्रदेश के युवाओं को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी प्रदेश सरकार नियुक्ति पत्र वितरित करती है और उनमें रामपुर के युवाओं का नाम होता है तो उन्हें खुशी होती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले रामपुर के युवा सरकारी नौकरियों से वंचित रह जाते थे, जबकि आज उन्हें योग्यता और मेहनत के आधार पर अवसर मिल रहे हैं। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, जो कभी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की नीतियों के कारण बीमारू राज्य कहलाता था, आज देश की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर भारत की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में अपनी पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश के पारंपरिक उद्योग भी संकट में थे। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पुलिस और मंडी व्यवस्था के कारण उद्यमियों को परेशान किया जाता था। रामपुर का पैचवर्क, जरी-बूटा और वायलिन उद्योग भी कठिन दौर से गुजर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना ने रामपुर के पारंपरिक उद्योगों को नई पहचान और बाजार उपलब्ध कराया है। व्यक्ति के हाथ में पड़ जाएगा तो वह उससे डकैती ही डालेगा। समाजवादी पार्टी ने रामपुर के चाकू का दुरुपयोग किया और जमीनों पर कब्जे करने का काम किया। रामपुर के पारंपरिक उद्योग संकट में थे- मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले रामपुर के पारंपरिक उद्योग संकट में थे। रामपुर का पैचवर्क, जरी-बूटा और वायलिन उद्योग अंधकार के दौर से गुजर रहे थे, लेकिन प्रदेश सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के माध्यम से इन्हें नई पहचान और बाजार उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि चाकू अगर गलत व्यक्ति के हाथ में पड़ जाए तो वह डकैती डालेगा। समाजवादी पार्टी ने रामपुर के चाकू का दुरुपयोग कर जनता की जमीनों पर कब्जे किए, लोगों को प्रताड़ित किया

संक्षिप्त समाचार

पीलीभीत, देवरिया समेत कई जगह झमाझम बारिश, यूपी के 50 से ज्यादा जिलों में मौसम विभाग की चेतावनी

भीषण गर्मी से तप रहे यूपी के कई जिलों में राहत बनकर बरसी बारिश मौसम विभाग ने सिद्धार्थनगर, महाराजगंज और कुशीनगर समेत 26 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं, मिर्जापुर, प्रयागराज और वाराणसी समेत 29 जिलों में आकाशीय बिजली तड़कने का अलर्ट जारी किया है। कुल मिलाकर यूपी में गर्मी से बड़ी राहत मिलने जा रही है। पीलीभीत समेत कई जिलों में रात से ही बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश में मौसम करवट बदलने लगा है। भीषण गर्मी का दौर छटने वाला है। मानसूनी गतिविधियां सक्रिय होने लगी हैं। मंगलवार को पीलीभीत, देवरिया और ललितपुर जनपद में झमाझम बारिश हो रही है। कई जिलों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने सिद्धार्थनगर, महाराजगंज और कुशीनगर समेत 26 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं, मिर्जापुर, प्रयागराज और वाराणसी समेत 29 जिलों में आकाशीय बिजली तड़कने का अलर्ट जारी किया है। कुल मिलाकर यूपी में गर्मी से बड़ी राहत मिलने जा रही है। यूपी के कई हिस्सों में सोमवार की शाम से ही मौसम का मिजाज बदल गया। फिरोजाबाद, एटा, बहराइच क्षेत्र में बारिश हुई। पीलीभीत में रात दो बजे के आसपास से बारिश हो रही है। फिरोजाबाद में आंधी में पेड़ उखड़ने से बड़ा हादसा हो गया। पेड़ के नीचे दबकर ई-रिक्शा सवार 5 लोगों की मौत हो गई। बहराइच-पीलीभीत में मूसलाधार बारिश - बहराइच में सोमवार को मूसलाधार बारिश हुई। श्रावस्ती में झमाझम बरसात देखने को मिली। दूसरी तरफ आगरा और अलीगढ़ में तपिश बरकरार रही। इन क्षेत्रों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। मंगलवार को पीलीभीत में सुबह से ही बारिश हो रही है। इन जिलों में बारिश का अलर्ट - मौसम विभाग के मुताबिक पीलीभीत, बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा, सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, गोरखपुर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, बाराबंकी आदि जिलों में भारी बारिश हो सकती है। कुछ जिलों में बारिश शुरू भी हो गई है और यहां आमजन ने बड़ी राहत महसूस की है। गर्मी से तप रहा था यूपी - यूपी में भीषण गर्मी से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। दिन से लेकर रात तक गर्मी बेहाल किए थी। हर कोई बारिश की उम्मीद लगाए था। मानसून की प्रतीक्षा हो रही थी। अब बारिश के साथ माना जा रहा है कि मानसून भी दस्तक दे रहा है और अगले कुछ दिनों में गर्मी से बड़ी राहत मिलने की संभावना है।

ढाबे पर डंपर चालक की गोली मारकर हत्या, तीन नामजद समेत अन्य पर केस; मामूली विवाद के बाद हुई वारदात

रामपुर जिले के पटवाई थाना क्षेत्र के चंडिका गांव के पास शाहबाद रोड स्थित ढाबे पर सोमवार देर रात डंपर चालकों के बीच हुए विवाद में चंचल (25) उर्फ चंद्रपाल की गोली मार दी गई। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को जिला अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मदारपुर क्षेत्र के माजरा झंडूपुरा निवासी चंचल डंपर चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। सोमवार रात वह शाहबाद रोड स्थित ढाबे पर मौजूद था। इसी दौरान वहां कुछ लोगों से कहासुनी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने चंचल पर हमला कर दिया। इसी बीच तमंचे से गोली चला दी गई जो उसके सिर में लगी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। गोली चलने की आवाज से ढाबे पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पटवाई थाना पुलिस ने घायल चंचल को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसके पिता भारत सिंह की तहरीर पर पुलिस ने योगेश, विनोद और मुनेश के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बारिश से किसानों के खिले चेहरे, धान गन्ना की फसल को मिलेगा लाभ गर्मी से मिली राहत

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता। थाना क्षेत्र के गांवों में मंगलवार सुबह हुई रिमझिम बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। सुबह करीब 5 बजे मौसम ने अचानक करवट ली और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बारिश शुरू हो गई।

बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया। क्षेत्र के अठाना, राजपुरी नवादा, सिमरा बहोर नगला, सहित अन्य गांवों के किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। किसानों का कहना है कि इस समय धान और अन्य खरीफ फसलों को पानी की बहुत जरूरत होती है। समय पर हुई यह बारिश फसलों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। किसान मोहन , अजय, राहुल,ने बताया कि बारिश होने से धान और गन्ना की फसल को काफी फायदा मिलेगा। खेतों में नमी आने से सिंचाई करने में फायदा होगा फसल की बढ़वार अच्छी होगी और पैदावार भी बढ़ने की उम्मीद है। किसानों ने बताया कि अगर आगे भी समय-समय पर बारिश होती रही तो खरीफ की फसल बेहतर होगी। बारिश ने जहां किसानों को राहत दी है, वहीं आम लोगों को भी गर्मी से काफी सुकून मिला है।

बरेली में बदला मौसम का मिजाज, आसमान से बरसी राहत की फुहार... गर्मी के तेवर पड़े नरम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को मंगलवार को बड़ी राहत मिली। कई दिनों से तप रहे शहर में प्री-मानसून ने दस्तक दी। तड़के करीब चार बजे शुरू हुई रिमझिम बारिश सुबह तक रुक-रुककर जारी रही। दोपहर बाद फिर बूंदाबांदी हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। बारिश के चलते तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान करीब 2.8 डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया। ठंडी हवाओं और बादलों ने लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाई। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक बारिश और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस सप्ताह तापमान में करीब पांच डिग्री तक गिरावट आ सकती है। बारिश से शहरवासियों के चेहरे खिल उठे, वहीं किसानों को भी खरीफ फसलों की तैयारी के लिए यह बारिश राहत देने वाली मानी जा रही है।

सुभाष नगर पुलिस ने 13 किलो डोडा-छिलका व चोरी की बाइक सहित दो को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सुभाषनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डोडा छिलका तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में 13 किलो 240 ग्राम डोडा छिलका और चोरी की टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, दिनांक 29 जून 2026 की रात थाना सुभाषनगर पुलिस टीम बीडीए गेट से मिलक रौंधी जाने वाले मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें आरोपी अरमान उर्फ साहिल के पास से 6 किलो 890 ग्राम और साबिर हुसैन के कब्जे से 6 किलो 350 ग्राम डोडा छिलका बरामद हुआ। जांच में बरामद टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल भी चोरी की निकली, जिसके संबंध में दिल्ली में मुकदमा दर्ज पाया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सुभाषनगर में एनडीपीएस एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरमान उर्फ साहिल पुत्र रजा हुसैन निवासी करेली, और साबिर हुसैन पुत्र इदरीश निवासी करेली, थाना सुभाषनगर, बरेली के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे डोडा छिलका उत्तराखंड क्षेत्र में सप्लाई करने का काम करते थे और बरामद माल बिक्री के लिए ले जा रहे थे। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन के नेतृत्व में थाना सुभाषनगर पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

12 करोड़ का स्काई वॉक बना हादसे का अड्डा ! टिन तोड़कर घुसे युवक की गिरने से मौत, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के पटेल चौक स्थित स्काई वॉक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए युवक की मंगलवार तड़के जिला अस्पताल में मौत हो गई। सोमवार रात करीब नौ बजे युवक स्काई वॉक की साइड में लगी टिन तोड़कर ऊपर पहुंचा और अचानक नीचे सड़क पर जा गिरा। सूचना पर पहुंची सिविल लाइंस चौकी पुलिस ने घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान सुबह करीब चार बजे उसने दम तोड़ दिया। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया युवक नशे का आदी या कचरा बीनने वाला प्रतीत हो रहा है। आशंका है कि नशे की हालत में संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिरा। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि स्काई वॉक के प्रवेश द्वार कंटीले तारों से बंद हैं, इसके बावजूद कुछ लोग ऊपर पहुंच जाते हैं। वहीं, करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बना यह स्काई वॉक तीन साल बाद भी आम लोगों के उपयोग में नहीं आ सका है। दुकानें और सुविधाएं शुरू न होने से यह जगह अब सुरक्षा को लेकर सवालों के घेरे में है। इससे पहले उर्स के दौरान भी यहां बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से ढांचा हिलने की घटना सामने आ चुकी है

रामकथा के अमर स्वर को मिला सम्मान, जीआईसी ऑडिटोरियम बना पं0 राधेश्याम कथावाचक स्मृति भवन

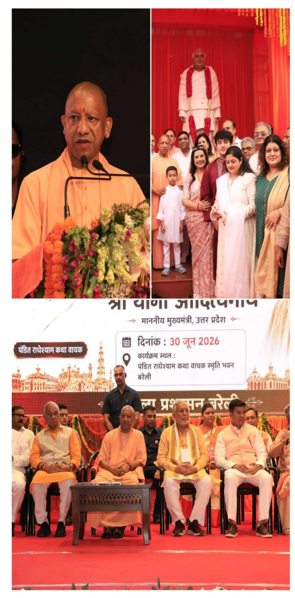

क्यूँ न लिखूँ सच / रिपोर्ट पं सत्यमशर्मा / बरेली। हिन्दी साहित्य और रामकथा को जन-जन तक पहुंचाने वाले पं0 राधेश्याम कथावाचक को बरेली ने नई पहचान दी है। जीआईसी ऑडिटोरियम का नाम बदलकर 'पं0 राधेश्याम कथावाचक स्मृति भवन' किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पं0 राधेश्याम कथावाचक ने सरल भाषा और प्रभावशाली संवादों के जरिए रामकथा को हर वर्ग तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि जो समाज अपनी विरासत और महापुरुषों का सम्मान करता है, उसी के विकास का मार्ग प्रशस्त होता है।

उन्होंने महर्षि वाल्मीकि, गोस्वामी तुलसीदास और पं0 राधेश्याम कथावाचक के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं आज भी रामलीला मंचन की आत्मा हैं। मुख्यमंत्री ने उनके आवास को पर्यटन विभाग के सहयोग से संग्रहालय के रूप में विकसित करने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम में बताया गया कि पं0 राधेश्याम कथावाचक का जन्म 25 नवंबर 1890 को बरेली के बिहारीपुर में हुआ था। उनकी प्रसिद्ध कृति 'राधेश्याम रामायण' ने हिन्दी साहित्य और लोकनाट्य परंपरा में अमिट छाप छोड़ी। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी उनकी रामकथा सुनी थी।

कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, मंत्री जेपीएस राठौर, महापौर डॉ. उमेश गौतम, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधायकगण, भाजपा पदाधिकारी, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिकगण मौजूद रहे।

सीएम योगी ने दी बरेली को स्वच्छता की सौगात ,51 सीएनजी वाहन और रोबोटिक मशीनों से बदलेगी सफाई व्यवस्था

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को शहर की सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। सर्किट हाउस से उन्होंने नगर निगम को 51 सीएनजी कूड़ा वाहनों, छह रोबोटिक नाला सफाई मशीनों और पांच जेसीबी मशीनों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर इन संसाधनों को रवाना किया। नए सीएनजी वाहनों से शहर के सभी 80 वार्डों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था मजबूत होगी, वहीं रोबोटिक मशीनों से नालों की सफाई तेज और सुरक्षित तरीके से हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट को जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए। प्लांट चालू होने के बाद शहर के कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण हो सकेगा और सफाई व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। नगर निगम का कहना है कि इन आधुनिक संसाधनों से प्रदूषण कम होगा और बरेली की स्वच्छता व्यवस्था पहले से ज्यादा प्रभावी बनेगी।

राम वनवास से भरत मिलाप तक... श्रीराम कथा के सप्तम दिवस में दिखा त्याग, प्रेम और धर्म का अद्भुत संगम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाउन में वाराणसी धाम से पधारे युवा ओजस्वी वक्ता पंडित आशीष मिश्र जी द्वारा चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के सप्तम दिवस का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। कथा का शुभारंभ मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुशील अरोरा, सचिव रवि छाबड़ा एवं अन्य सदस्यों द्वारा महाराज जी के माल्यार्पण के साथ किया गया कथा के मुख्य यजमान बनने का सौभाग्य आरके शर्मा एवं उनके परिवार को प्राप्त हुआ। कथा व्यास पंडित आशीष मिश्र जी ने अयोध्याकांड का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारियों के बीच माता कैकेयी के वरदान के कारण श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास मिला। पिता के वचन की मर्यादा रखने के लिए प्रभु श्रीराम ने सहर्ष वन गमन स्वीकार किया। माता सीता और लक्ष्मण जी भी उनके साथ चले। उन्होंने निषादराज गुह और केवट प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि केवट की भक्ति और प्रेम ने भगवान श्रीराम का हृदय जीत लिया। वहीं भरत जी के त्याग, धर्म और भ्रातृ प्रेम का वर्णन करते हुए कहा कि भरत ने श्रीराम की चरण पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर नंदिग्राम में रहकर राज्य संचालन किया। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने कहा कि पंडित आशीष मिश्र जी की ओजस्वी वाणी से श्रीराम कथा का अमृत रस सभी श्रद्धालुओं को प्राप्त हो रहा है। उन्होंने सभी भक्तों का कथा में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुशील अरोरा, रवि छाबड़ा, अश्विनी ओबेरॉय, संजय आनंद, गोविंद तनेजा, रंजन कुमार, राजेश अरोरा, हरीश लुनियाल सहित महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डीआरएम वीणा सिन्हा ने दी रिटायरमेंट पर दी भावभीनी विदाई , कहा- रेलकर्मियों का योगदान हमेशा प्रेरणादायक रहेगा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल में मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए 3 राजपत्रित अधिकारियों समेत 37 कर्मचारियों के सम्मान में अधिकारी क्लब में विदाई समारोह आयोजित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक सुश्री वीणा सिन्हा ने सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों व कर्मचारियों को समापक राशि भुगतान परिपत्र, मेडिकल कार्ड एवं अन्य दस्तावेज सौंपकर उनके स्वस्थ और सुखमय जीवन की कामना की।डीआरएम ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। रेल सेवा में कर्मचारियों की निष्ठा और समर्पण हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों से स्वास्थ्य का ध्यान रखने और अपने अनुभवों से समाज व परिवार का मार्गदर्शन करते रहने का आह्वान किया।

वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी संदीप सिंह ने बताया कि सेवानिवृत्त होने वालों में वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक ओ.पी. मीना, उप मुख्य इंजीनियर/गति शक्ति ए.के. सिंह और सहायक परिचालन प्रबंधक अनिल कुमार सहित 37 अन्य कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मंडल में सेवानिवृत्ति से रिक्त हुए पदों पर पात्र कर्मचारियों को उसी दिन पदोन्नति देने की नई पहल शुरू की गई है, जिससे पदोन्नति प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जा रहा है। समारोह में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन प्रतिनिधि, रेलकर्मी और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब बरेली ग्रेस ने छात्रहित में बढ़ाया सहयोग का हाथ , स्कूल को भेंट किए इन्वर्टर-बैट्री

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। वेदोज्जीवनी हा. से. स्कूल, बरेली में छात्र हित को ध्यान में रखते हुए रोटरी क्लब ऑफ बरेली ग्रेस द्वारा विद्यालय को इन्वर्टर, बैट्री, ट्रॉली और स्टेबलाइजर दान किए गए। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा मेधा कृष्णा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन का अभिन्न हिस्सा है। शिक्षा के माध्यम से छात्र समाज और राष्ट्र की बेहतर सेवा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी छात्रों की सहायता के लिए कार्य करता रहेगा।

कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल, प्रबंधक एवं राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शशि भूषण अग्रवाल सहित विद्यालय स्टाफ को सम्मानित किया गया। प्रबंधक शशि भूषण अग्रवाल ने रोटरी क्लब बरेली ग्रेस के इस समाजसेवी कार्य की सराहना की। इस दौरान प्रधानाचार्या प्रीति कुमारी, रेनू सक्सेना, श्याम हरि अग्रवाल, खेमकरन सहित विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

दो साल पुराने मामले में कोर्ट का आया फैसला, बरेली पुलिस की पैरवी से आरोपी को 3 वर्ष कानहीं कारावास

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में पुलिस और अभियोजन विभाग की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। मामला थाना मीरगंज क्षेत्र का है, जहां वादी रमेशचंद्र पुत्र कृष्णपाल निवासी ग्राम मनकरा ने आरोप लगाया था कि दिनांक 01 अक्टूबर 2022 को उसका छोटा भाई लक्ष्मण प्रसाद खेत से स्प्रे कर वापस घर आ रहा था। रास्ते में गांव के ही दीनदयाल पुत्र भूपराम शराब के नशे में लोगों को गाली दे रहा था। विरोध करने पर दीनदयाल ने लक्ष्मण प्रसाद के सिर पर लाठी से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया। इस मामले में थाना मीरगंज पर मुकदमा अपराध संख्या 433/2022 धारा 308/504 भादवि में दर्ज किया गया था। अभियोजन पक्ष द्वारा न्यायालय में 7 गवाह प्रस्तुत किए गए। मामले की सुनवाई के बाद माननीय न्यायालय एडीजे-13 कोर्ट बरेली ने आरोपी दीनदयाल पुत्र भूपराम निवासी ग्राम मनकरा थाना मीरगंज जनपद बरेली को दोषसिद्ध पाते हुए धारा 308 भादवि के तहत 3 वर्ष के कारावास और ?5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड जमा न करने पर आरोपी को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। पुलिस के अनुसार इस कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक दक्षिणी/नोडल अधिकारी ऑपरेशन कन्विक्शन, अभियोजन अधिकारी एवं थाना मीरगंज पैरवी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीन माह के लिए बंद रहेगा माधव टाइगर रिजर्व, 1 जुलाई से पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। वन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 1 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक माधव टाइगर रिजर्व में पर्यटकों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इस अवधि में रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी पर्यटन स्थल भी आम पर्यटकों के लिए बंद रहेंगे। माधव टाइगर रिजर्व के उप संचालक ने बताया कि वन्यजीव संरक्षण एवं विभागीय प्रावधानों के तहत प्रत्येक वर्ष वर्षाकाल के दौरान पर्यटन गतिविधियों पर अस्थायी रोक लगाई जाती है। इसी क्रम में इस वर्ष भी तीन माह तक पर्यटकों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद पृथक आदेश जारी कर नियमानुसार पर्यटन गतिविधियां पुनः प्रारंभ की जाएंगी। वन विभाग ने पर्यटकों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे प्रतिबंधात्मक आदेश का पालन करें तथा वन्यजीव संरक्षण में सहयोग प्रदान करें।

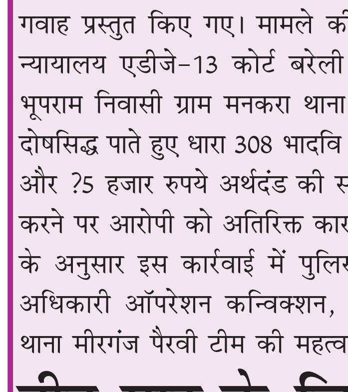

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

अपना प्रदेश

www.knlslive.com

01 July 2026

थाना जरीफनगर पुलिस नें हत्या की घटना में एक अभियुक्त को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / थाना जरीफनगर क्षेत्रान्तर्गत राव फार्म हाउस पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज जी का प्रोग्राम था, जिसमें शामिल होनें ग्राम अल्लीपुर टप्पा हवेली थाना सहसवान के निवासी श्री भूरे सिंह पुत्र नरोत्तम सिंह अपनें गांव के साथी राकेश पुत्र मोहरपाल के साथ आये थे तथा शामिल होकर ग्राम दांदरा होते हुए अपनें गांव वापस जा रहे थे, वापस जाते समय दांदरा करियावेन सम्पर्क मार्ग पर भूरे सिंह के साथ रात्रि में घटना घटित हुई थी, तथा भूरे सिंह के परिजन उन्हें उपचार हेतु सीएचसी सहसवान लेकर गये थे, जहाँ पर भूरे सिंह को मृत घोषित कर दिया गया था तथा राकेश उपरोक्त को उपचार हेतु मेडिकल कालेज बदायूँ रेफर कर दिया गया था । प्रथम दृष्टया जाँचोपरान्त उक्त घटना के सम्बन्ध में मृतक भूरे सिंह के पुत्र राजाबाबू के प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना जरीफनगर पर अभियोग मु0अ0स0 190/2026 धारा 191(2)/191(3)/190/126(2)/109(1)/103(1)/351(3)/3(5) बीएनएस बनाम कप्तान आदि 05 नफर पंजीकृत किया गया था । जिसमें अभियोग उपरोक्त के सफल अनावरण हेतु आज एसएसपी अंकिता शर्मा के आदेशानुसार अभियुक्तगण की तलाश हेतु थाना स्तर पर 03 टीमें गठित की गयी थीं । जिसके क्रम में थाना जरीफनगर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर आज मुख्य अभियुक्त कप्तान सिंह पुत्र डाल सिंह निवासी ग्राम अल्लीपुर टप्पा हवेली थाना सहसवान जनपद बदायूँ को मय घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल 01 अदद महिन्द्रा बोलेरो गाड़ी रजि0नं0 UP 25 DA 4573 व आलाकत्ल 01 अदद लोहे की सब्बलनुमा रॉड बरामद की गई । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त कप्तान सिंह उपरोक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारी गण को उपहार भेंट कर दी गई विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / 06 पुलिसकर्मी पुलिस विभाग में अपनी सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से कार्य करते हुए अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत हुए । इस अवसर पर पुलिस लाइन सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। क्षेत्राधिकारी लाइन/यातायात श्री राज सिंह यादव द्वारा पुलिसकर्मियों को फूल माला पहनाकर, शाल उढ़ाकर एवं उपहार स्वरूप निरीक्षक नागरिक पुलिस श्री विद्या सागर वर्मा, उ0नि0 श्री कमलेश यादव, उ0नि0 श्री मैनुद्दीन खाँ, उ0नि0 श्री रामबेलास यादव, उ0नि0 श्री संतोष कुमार, लीडिंग फायरमैन श्री भिषामा को श्रीरामचरितमानस, ट्राली बैग भेंट कर विदा किया गया तथा उनके द्वारा किये गये योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की गई । सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी गण– 1. निरीक्षक ना0पु0 श्री विद्या सागर वर्मा 2. उ0नि0 श्री कमलेश यादव 3. उ0नि0 श्री मैनुद्दीन खाँ 4. उ0नि0 श्री संतोष कुमार 5. उ0नि0 श्री रामबेलास यादव 6. लीडिंग फायरमैन श्री भिषामा

सायबर सेल की त्वरित कार्रवाई से 5 लाख रुपये की ठगी की रकम वापस, फरियादी ने पुलिस का जताया आभार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शिवपुरी पुलिस की सायबर सेल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए ऑनलाइन ठगी का शिकार हुए एक युवक के बैंक खाते से निकाली गई 5 लाख रुपये की पूरी राशि वापस दिलाई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को राहत मिली और उसने पुलिस अधीक्षक व सायबर टीम का आभार व्यक्त किया।

जानकारी के अनुसार, 17 जून 2026 को शिवपुरी निवासी शिवम सिंघल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर उसके बंधन बैंक खाते से 5 लाख रुपये निकाल लिए हैं।

पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के मार्गदर्शन में सायबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह जाट एवं उनकी टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से पता चला कि ठगी की राशि ।छिस्नष्ट बैंक के खाते में स्थानांतरित की गई है। इसके बाद पोर्टल के जरिए राशि को तत्काल होल्ड कराया गया और बैंक से समन्वय स्थापित कर पूरी 5 लाख रुपये की राशि फरियादी के खाते में वापस कराई गई।

राशि वापस मिलने के बाद फरियादी शिवम सिंघल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिवपुरी पुलिस एवं सायबर सेल टीम की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

इन अधिकारियों की रही महत्वपूर्ण भूमिका

इस कार्रवाई में सायबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह जाट के साथ कार्यवाहक प्रधान आरक्षक विकास सिंह चौहान, आरक्षक जलज रावत, दामोदर परिहार, आलोक व्यास एवं भूपेन्द्र यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सायबर सेल की लोगों से अपील

सायबर अपराध से बचाव के लिए पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे:

My Aadhaar App के माध्यम से अपना बायोमेट्रिक लॉक करें।

फर्जी लोन ऐप डाउनलोड न करें।

किसी भी ।क्च्य फाइल को बिना सत्यापन के न खोलें।

किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें।

अपनी बैंकिंग या व्यक्तिगत जानकारी तथा व्ज्ञ्च्ड किसी के साथ साझा न करें।

किसी संदिग्ध वेबसाइट पर लॉगिन करने से बचें।

सायबर ठगी की किसी भी घटना की सूचना तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 या शिवपुरी सायबर सेल के हेल्पलाइन नंबर 7049123706 एवं

माननीय जिला जज महोदय, जिलाधिकारी महोदय एवं पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जिला कारागार का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / माननीय जिला जज बहराइच श्री राजेश सिंह, जिलाधिकारी बहराइच महोदय श्री अक्षय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव व सीजेएम सुश्री नीलम सरोज द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार में बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का गहन मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए । अधिकारियों द्वारा कारागार परिसर का विस्तृत भ्रमण किया गया, जिसमें पुरुष बैरक, महिला बैरक, बंदी पाकशाला, क्रीड़ास्थल तथा अस्पताल वार्ड का निरीक्षण शामिल रहा। इस दौरान बंदियों की मूलभूत सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वच्छता व्यवस्था का विशेष रूप से जायजा लिया गया । निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि कारागार का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा शातिर एवं संवेदनशील बंदियों पर सतत निगरानी रखी जाए। साथ ही बंदियों की गतिविधियों की समय-समय पर अद्यतन जानकारी उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए । सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से समस्त सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील रखने तथा जेल मैनुअल के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए ।

विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों के प्रति किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और मिशन शक्ति के तहत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक किया गया। निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी दी गई मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

सीएम राइज स्कूल के प्राचार्य के घर हुई 10 लाख की चोरी का खुलासा, पारदी महिला गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ बदरवास। थाना बदरवास पुलिस ने सीएम राइज स्कूल के प्राचार्य के घर हुई लाखों रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए एक पारदी महिला आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के सोने के जेवर एवं नगदी बरामद की है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 23 मई 2026 को फरियादी महेन्द्र कुमार गुप्ता (58) निवासी वार्ड क्रमांक 6, बदरवास ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर रात के समय उनके घर में घुसकर पुराने सोने-चांदी के जेवरात एवं करीब 10 लाख रुपये नकद चोरी कर ले गए। मामले में थाना बदरवास में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले, एसडीओपी कोलारस संजय मिश्रा के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जिला गुना के कैंट थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगवासा से एक पारदी महिला आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 19.77 ग्राम सोने के आभूषण एवं 30 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं।

आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक नोबेल खेस, उपनिरीक्षक शिखा तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक रघुवीर सिंह मखेनिया, किरण सोनी, राकेश शिवहरे, गोपाल बाबू सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

लाला हाफिज जी की सालाना फातिहा बुधवार को

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। नगर की अजीम शख्सियत प्रमुख इस्लामी विद्वान जामा मस्जिद पुरानी तहसील में लगभग साठ साल तक ख़तीबो इमाम रह कर दीन की खिदमत करने वाले छोटे से लेकर बड़ो को इज्जत देने वाले उस्तादुल हुफ़्फ़ाज हाफिजो कारी मोहम्मद अली निजामी साहब क़िब्ला उर्फ लाला हाफिज जी की सालाना फातिहा हर साल की तरह इस साल भी 1 जुलाई दिन बुधवार को मस्जिद हाजी रमजानी बगिया वाली सागर चौकी पटेल नगर में एहत माम किया गया है।जिसमें सुबह बाद नमाज फजर कुरान ख्वानी सुबह 8 बजे नात ख्वानी फातिहा ख्वानी 10 बजे तबर्रुक तकसीम के बाद प्रोग्राम सम्पन्न होगा! आप सभी अकीदत मन्दों से अपील है कि प्रोग्राम में शिरकत कर सबाबे दारेन हासिल करें। इस बात की जानकारी उनके फरजंद व मुतवल्ली गुलाम हुसैन कादरी ने दी है।

नशे में धुत बाइक सवारों ने पुलिसकर्मी को मारी टक्कर, पुलिस लाइन के सामने हुआ हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ थाना सिविल लाइन क्षेत्र में रिजर्व पुलिस लाइन के मुख्य गेट के सामने तेज रफ्तार बाइक ने एक पुलिसकर्मी को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पुलिसकर्मी घायल हो गया, जबकि टक्कर के बाद बाइक सवार दोनों युवक भी सड़क पर गिरकर चोटिल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा तस्वीर महल चौराहे के पास हुआ। आरोप है कि बाइक चला रहे युवक नशे की हालत में थे। दुर्घटना के बाद उनकी बाइक से शराब की आधी बोतल (हाफ) भी बरामद हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मेडिकल परीक्षण और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बाबडी उत्सव का कार्यक्रम आयोजित हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / अनिल कुमार/ गंज basoda / मध्यप्रदेश

जन अभियान परिषद द्वारा चयनित संस्था ग्राम मथुरापुर शानवी मानव उत्थान सेवा समिति ने ग्राम pathari स्थित प्राचीन babdi की विधि विधान से पूजा अर्चना की और साफ सफाई कर श्रमदान किया द्य इस कार्यक्रम में उपस्थिति जीवन सिंह, श्रीकांत, कालू प्रसाद, मनीराम इत्यादि बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित रहे द्य

आपसी परिवारिक विवाद को समाप्त कराकर 03 परिवारो में सुलह कराते हुए परिवारो को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं।

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया । जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहें।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
01 July 2026

उचित दर दुकानों की नियुक्ति में लापरवाही पर जिलाधिकारी सख्त

समीक्षा में समयसीमा के भीतर कार्रवाई अधूरी मिलने पर जिला पूर्ति अधिकारी को कड़ी फटकार, एक सप्ताह में नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जनपद में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत रिक्त उचित दर दुकानों की नियुक्ति की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने समयसीमा के भीतर कार्रवाई पूरी न होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि शासन के स्पष्ट आदेशों के बावजूद नियुक्ति प्रक्रिया लंबित रहना गंभीर लापरवाही है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्ष 2025 में भी रिक्त उचित दर दुकानों पर 15 दिन के भीतर नियुक्ति की कार्रवाई पूरी कराने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन समीक्षा में पाया गया कि कई ग्राम पंचायतों में आज तक नियुक्तियां नहीं हो सकी हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र लाभार्थियों को खाद्यान्न वितरण व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। समीक्षा के दौरान कालपी, उरई, जालौन तथा माधौगढ़ तहसीलों के अंतर्गत मसगायां, चकगजदेवपुर, मगरायां, भुआ, जगनेवा, रोमई मुस्किल, चितौरा तथा बिलौहा ग्राम पंचायतों में उचित दर दुकानें लंबे समय से रिक्त पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी, सभी उपजिलाधिकारियों तथा संबंधित खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासनादेश के अनुरूप आरक्षण व्यवस्था का पालन करते हुए एक सप्ताह के भीतर सभी रिक्त उचित दर दुकानों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कराकर अनुपालन आख्या उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि निर्धारित अवधि में कार्रवाई पूर्ण नहीं हुई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

दूरस्थ पहाड़ी गांवों तक पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, पेड़ के नीचे लगा स्वास्थ्य शिविर, बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

क्यूँ न लिखूँ सच // बिहरपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने विशेष अभियान चलाते हुए चांदनी-बिहरपुर क्षेत्र के दुर्गम गांव बैजनपाठ, लूल्ह और भूण्डा में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया।

इधर, दूरस्थ गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार प्रकाशित समाचारों एवं प्रशासनिक स्तर पर मिली जानकारी के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हुआ। इसके बाद जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों ने स्वयं क्षेत्र का दौरा कर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कराया तथा स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि वनांचल क्षेत्रों का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक एवं नियमित टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए।

इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पल्स पोलियो अभियान के तहत पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। साथ ही ऐसे बच्चों की भी पहचान की गई जो किसी कारणवश पहले पोलियो की दवा से वंचित रह गए थे। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर उन्हें भी पोलियो ड्रॉप पिलाई, जिससे अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाया जा सके।

टीम ने गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, बच्चों के नियमित टीकाकरण, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी।

मौसमी बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए ग्रामीणों को साफ-सफाई बनाए रखने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने, समय पर उपचार कराने तथा बीमारी के शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई। इस दौरान ग्रामीणों को बुखार, सर्दी-खांसी, वायरल संक्रमण, त्वचा रोग सहित अन्य सामान्य बीमारियों की निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं।

स्वास्थ्य विभाग की टीम के गांव पहुंचने से ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से लगाए जाने चाहिए, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को छोटी-छोटी बीमारियों के उपचार के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े।स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जिले के सभी पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक उपलब्ध कराने तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रत्येक गांव तक पहुंचाने का अभियान लगातार जारी रहेगा। आगामी दिनों में अन्य दूरस्थ एवं वनांचल गांवों का भी भ्रमण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा, उपचार एवं दवा वितरण का कार्य किया जाएगा।।

जन सत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी आगामी विधान सभा चुनाव की तैयारियों में जुटी

संगठन में गिरेन्द्र सिंह सेंगर बने जिला उपाध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच (जालौन)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी आगामी विधान सभा चुनाव की तैयारियों को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के अभियान में जुट गई है। इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' के निर्देश एवं प्रदेश प्रधान महासचिव डॉ. ब्रजेश सिंह राजावत की विशेष संस्तुति पर और जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने जनपद जालौन की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए गिरेन्द्र सिंह सेंगर को पार्टी का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया ।

नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष को मनोनयन पत्र प्रदान करते हुए जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि पार्टी जनहित, सामाजिक न्याय एवं सर्वसमाज के सम्मान की भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री गिरेन्द्र सिंह सेंगर अपनी संगठनात्मक क्षमता जनसंपर्क और सक्रिय कार्य शैली से पार्टी को नई मजबूती प्रदान करेंगे तथा आगामी विधानसभा चुनाव में संगठन को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर प्रदेश प्रधान महासचिव डॉ. ब्रजेश सिंह राजावत ने कहा कि जन सत्तादल लोक तांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कु राजा भैया जी सदैव सर्वसमाज को साथ लेकर चलने और प्रत्येक वर्ग को सम्मान जनक भागीदारी देने की राजनीति के पक्षधर रहे हैं।उसी विचार धारा के अनुरूप जालौन जनपद में भी संगठन का विस्तार सभी समाजों की सह भागिता सुनिश्चित करते हुए किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं बल्कि जनता की समस्या ओं के समाधान के लिए समर्पित एवं मजबूत कार्यकर्ता तैयार करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे आगामी विधानसभा चुनाव को लक्ष्य मानकर बूथ स्तर तक संगठन को सुदृढ़ करें, अधिक से अधिक युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों को पार्टी से जोड़ें तथा जन सत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भैया जी के जनसेवा के संकल्प को घर घर तक पहुँचाने का कार्य करें। इस बैठक में शिक्षाविद ब्रज बल्लभ सिंह सेंगर, धर्मेंद्र सिंह जादौन, अखिलेश सिंह चौहान, लाल सिंह गुर्जर, सतेंद्र सोनी, विष्णु दयाल कुशवाहा जी अवनीत गुर्जर सचिन प्रधान जी दीपू अग्रवाल जी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधि कारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चांदनी-बिहारपुर में झमाझम बारिश से बदला मौसम का मिजाज, गर्मी से मिली राहत; खेतों में लौटे किसान, खरीफ सीजन की तैयारियां तेज

क्यूँ न लिखूँ सच /बिहारपुर/ सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में मंगलवार सुबह से मौसम ने अचानक करवट ली और क्षेत्र में रुक-रुक कर झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। कई स्थानों पर तेज हवा और आंधी-तूफान का भी असर देखने को मिला। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत दिलाई। मौसम सुहावना होने से ग्रामीणों के साथ-साथ बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों के चेहरे खिल उठे।

क्षेत्र में लंबे समय से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह वर्षा किसी राहत से कम नहीं है। समय पर हुई बारिश के बाद किसानों ने खेतों का रुख कर दिया है। कई गांवों में ट्रैक्टर और बैलों से जुताई का कार्य शुरू हो गया है, वहीं धान की नर्सरी तैयार करने, खेतों की मेड़बंदी, बीज उपचार तथा खरीफ फसलों की बुवाई की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। किसानों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में इसी तरह नियमित बारिश होती रही तो इस वर्ष खेती बेहतर होने की पूरी संभावना है।

बारिश के कारण तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस और तपिश से राहत मिली। बच्चों और युवाओं ने भी बारिश का आनंद लिया, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों, नालों और खेतों में पानी भरने से किसानों के चेहरे पर उम्मीद की नई किरण दिखाई देने लगी है। पशुपालकों ने भी बारिश को पशुओं के लिए लाभदायक बताया है, क्योंकि इससे चरागाहों में हरियाली आने की उम्मीद बढ़ गई है। हालांकि बारिश के दौरान कई स्थानों पर तेज हवा और आंधी चलने से लोगों को सतर्क रहना पड़ा। ग्रामीणों ने खुले स्थानों और कमजोर पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी। तेज हवा के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ों की डालियां भी टूटकर गिरीं, लेकिन किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि खरीफ सीजन के लिए शुरुआती बारिश बेहद महत्वपूर्ण होती है। इससे मिट्टी में पर्याप्त नमी बनती है और धान सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होता है। किसानों ने भी मौसम के अनुकूल होते ही कृषि कार्यों में तेजी ला दी है। स्थानीय लोगों का मानना है कि समय पर हुई यह बारिश न केवल खेती-किसानी के लिए लाभदायक साबित होगी, बल्कि जलस्त्रोतों का जलस्तर बढ़ाने और पेयजल संकट से राहत दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अब सभी की निगाहें आने वाले दिनों के मौसम पर टिकी हैं, ताकि अच्छी बारिश का सिलसिला जारी रहे और क्षेत्र में बेहतर कृषि उत्पादन का मार्ग प्रशस्त हो सके।

टायर फटने से टेंपो पलट आधा दर्जन हुए घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर एक टेम्पो का टायर फटने से वह पलट गया। इस हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। यह घटना मंगलवार सुबह हुई, जब गांव गोपी से सवारियों को लेकर आ रहे एक टेम्पो का नेशनल हाईवे पर अचानक टायर फट गया। टायर फटने से टेम्पो का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया। घायलों में गांव मानई निवासी भूरी सिंह (पुत्र वीर सिंह), मंजू (पुत्री राम खिलाड़ी), भूरी देवी (पत्नी दिनेश कुमार) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, गांव रायपुर मनीपुर निवासी योगेश कुमार (पुत्र स्वर्णपाल) और हरदुआगंज क्षेत्र के गांव महमूदपुर निवासी पुष्पेन्द्र (पुत्र कृष्ण पाल सिंह) भी घायल हुए हैं। राहगीरों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नेशनल हाईवे पर पड़े टेम्पो को कब्जे में लेकर थाने ले गई। पुलिस ने अस्पताल में भर्ती घायलों से घटना के संबंध में जानकारी ली है।

उपनिरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि नेशनल हाईवे स्थित गांव लधौआ ओवर ब्रिज के समीप टेम्पो का टायर फटने से यह हादसा हुआ था। उन्होंने पुष्टि की कि हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हुए थे, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कुठोंद पुलिस को बड़ी सफलता, तीन अंतर्जनपदीय चोर गिरफ्तार, अवैध असलहा व चोरी का सामान बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जालौन जिले के कुठोंद थाना पुलिस को अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है।

थाना प्रभारी जगदंबा दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर घेराबंदी कर तीन अंतर्जनपदीय चोरों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध असलहा, कारतूस, एक मोटरसाइकिल, नकद रुपये, लोहे का सब्बल, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी लंबे समय से विभिन्न जनपदों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर तीनों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो अवैध तमंचा, दो जिंदा व दो मिस कारतूस, चोरी में प्रयुक्त लोहे का सब्बल, मोटरसाइकिल, नकद रुपये और मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की बात सामने आ रही है। पुलिस अब उनसे अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। साथ ही उनके आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किन-किन जनपदों में वारदातों को अंजाम दे चुके हैं और उनके गिरोह में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। कुठोंद थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और क्षेत्र में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

थाना नदीगांव पुलिस द्वारा बालात्कार का अपराधी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। बीते 26 मई को वादी वीरेन्द्र कुशवाहा निवासी निवासी वार्ड दो मुहल्ला

छिपियाना कस्वा व थाना नदीगांव जनपद जालौन उम्र करीब 16 वर्ष के साथ सुनील कुमार पुत्र कृपाराम रजक निवासी ग्राम धरम पुरा थाना पण्डोखर जिला दतिया म0प्र0उम्र करीब 32 वर्ष द्वारा शादी का झांसा देकर कोंच व दबोह ले जाकर बलात्कार किया गया था। 27 जून को वादी वीरेन्द्र कुशवाहा पुत्र गनेश निवासी वार्ड दो मुहल्ला छिपियाना कस्वा व थाना नदीगांव द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 65/2026 धारा 137(2)/87/64(2)(द्व)/351(3)/61(2) बीएनएस व 5ञ6 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत कराया गया था सुनील कुमार पुत्र कृपाराम रजक निवासी ग्राम धरमपुरा थाना पण्डोखर जिला दतिया म0प्र0 उम्र करीब 32 वर्ष घटना के बाद से गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी का लगातार प्रयास किया जा रहा था। आज दिनांक 30 जून को पुलिस अधीक्षक जनपद जालौन विनय कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक जालौन ईशान सोनी के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी कोंच परमेश्वर प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक शशिकान्त चौहान मय हमराह फोर्स द्वारा अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र कृपाराम रजक निवासी ग्राम धरम पुरा थाना पण्डोखर जिला दतिया मध्य प्रदेश उम्र करीब 32 वर्ष को समय करीब 10.45 बजे पुलिस बूथ के पास रावतपुरा रोड तिराहा बहद ग्राम रंजीत के डेरा के पास से गिरफ्तार किया गया।अग्रिम विवेचनात्मक कार्य वाही कर अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।गिरफ्तार अभियक्त का नाम सुनील कुमार पुत्र कृपाराम रजक निवासी ग्राम धरमपुरा थाना पण्डोखर जिला दतिया म0प्र0 उम्र करीब 32 वर्ष है अभियुक्त के कब्जे पास से एक अदद मोबाइल व 150 रूपये बरामद हुआ है इस गुड वर्क करने वाली टीम में नदीगांव थाने के प्रभारी निरीक्षक शशिकान्त चौहान सिपाही देवेश कुमार सिपाही वागेश कुमार आदि शामिल रहे पुलिस ने बताया है कि इस अभियुक्त सुनील कुमार उपरोक्त मु0अ0सं0 65/2026 धारा 137 (2)/87/64(2) (द्व)/351(3)/61 (2) बीएनएस व 5ञ6 पॉक्सो एक्ट थाना नदीगांव जनपद जालौन दर्ज है

Before embarking on a rainy trip, be sure to pack these 8 essential items in your bag.

If you're traveling during the rainy season, be sure to pack a few items in your bag. These items will help you avoid any trouble along the way. The rainy season is considered a very pleasant time to travel. The lush greenery of waterfalls, and the cool breeze add traveling during the monsoon can be downpours, slippery roads, traffic your trip. If you're well-prepared in avoided. Keeping a few essential ensures your safety but also comes in the essential items you should include ensure a comfortable, safe, and cover. During the monsoon, heavy your bag and its contents. A mobile phone, laptop, camera, and cover, you can store your belongings Carry an umbrella or raincoat. It's rainy season. Therefore, carry a quality raincoat when traveling. This

the mountains, the beautiful views of to the enjoyment of the trip. However, as exciting as it is challenging. Sudden jams, and rapid weather changes can all ruin advance, these problems can be easily items in your bag during your trip not only handy in case of an emergency. Let's explore in your travel bag during the rainy season to memorable journey. Carry a waterproof bag rains can suddenly begin, potentially soaking waterproof bag cover protects your clothes, important documents. If you don't have a bag in separate ziplocks or waterproof pouches. difficult to predict weather changes during the lightweight, foldable umbrella or a good-will prevent you from getting wet and reduce the risk of colds and flu, which can result from prolonged wetness. Carry extra clothes and a towel. Getting wet during your travels can be uncomfortable and increase your risk of illness. Therefore, keep a pair of extra clothes, socks, and a microfiber towel in your bag. Microfiber towels dry quickly and take up less space, making them a better choice for travel. Keep important documents in a waterproof pouch - During your trip, keep important documents like your Aadhaar card, driving license, tickets, hotel bookings, and cash in a waterproof pouch. This will prevent them from getting damaged due to rain or moisture, making them easy to find when needed. Keep a power bank and charging cable - During monsoons, power outages can occur frequently, and phone batteries can drain quickly during long journeys. Therefore, carrying a high-capacity power bank and charging cable is essential. This allows you to charge your mobile, GPS, and other essential devices at any time, and maintain contact when needed. Keep a first aid kit and essential medications - Minor injuries, fever, headaches, stomach aches, motion sickness, or allergies can occur at any time. Therefore, keep a first aid kit containing bandages, antiseptic cream, pain relievers, fever medication, and regular medications prescribed by your doctor. With this, minor health problems can be solved immediately. Keep snacks and water bottle- During the rainy season, situations like traffic jam, landslide or road closure can occur, due to which the journey can be prolonged. In such times, keeping dry fruits, energy bars, biscuits, namkeen and water bottle with you does not cause the problem of hunger and dehydration. Try to keep only clean and sealed water with you. Keep anti-mosquito cream, sanitizer and wet wipes- If you are going to hilly, forest or river-waterfall areas, then definitely keep anti-mosquito cream or spray with you. Apart from this, maintain cleanliness of hands with hand sanitizer and wet wipes, so that the risk of infection is reduced and the journey remains safe.

Has arthritis made walking difficult? Now you can get relief without knee replacement.

Scientists have proven effective for people with arthritis in a technique called genicular artery embolization (GAE). This new medical technique is emerging as a ray of hope for millions of people suffering from osteoarthritis. Joint and bone pain and arthritis were once considered a disease of aging, but the picture has completely changed. Even young people between the ages of 25 and 40 are now visiting doctors with hours spent working on laptops, using mobile diet, and vitamin D and calcium deficiencies you also suffering from bone problems? mistake it for normal fatigue or overwork and swelling in the joints increases, making are not received in time, this disease can cause quality of life. There is good news for those technique that may help reduce joint problems Arthritis Risk and Treatment - In the past few treatment of arthritis. Modern biologic drugs, joint replacement techniques, and new getting adequate relief from traditional early and treatment is started at the right time, live a normal life for a long time. Scientists have arthritis called geniculate artery embolization of hope for millions of people suffering from

complaints of joint pain, swelling, and stiffness. Long phones for hours, lack of physical activity, obesity, poor have significantly increased the risk of this disease. Are Arthritis often begins with minor pain. Many people continue taking painkillers. However, gradually, the movement difficult. If proper diagnosis and treatment permanent damage to the joints and severely impact suffering from such problems. Experts have revealed a by blocking the blood vessels that cause inflammation. years, many new advances have been made in the targeted therapy, advanced physiotherapy, improved research have brought hope to patients who were not treatments. Experts believe that if the disease is identified serious joint damage can be prevented and patients can found a technique effective for people suffering from (GAE). This new medical technique is emerging as a ray osteoarthritis of the knee. This technique is considered especially important for patients who are not getting adequate relief from conventional treatments like medicines, physiotherapy and injections. It can be effective for those who do not get relief from normal methods or who are not ready for major surgery like knee replacement. Experts say that the GAE procedure can provide significant relief from pain by reducing inflammation inside the knee and in many cases can avoid the need for surgery. It involves injecting tiny particles (micro-beads) into the inflamed blood vessels of the knee through a catheter to reduce blood flow, providing rapid and long-lasting relief from pain and swelling. Many people have found relief from this: According to the experiences and research findings shared by physicians at the University of Colorado Anschutz School of Medicine in the US, this technique has provided long-term benefits to many patients. 74-year-old Cynthia Shroff-Fletcher is among those who have experienced significant benefits from this procedure. She had previously undergone a knee replacement and faced some complications after that surgery. Therefore, she opted for GAE for her other knee. Nearly a year later, she says the relief she receives is comparable to that of a knee replacement. She is now able to perform activities like gardening and cycling. These patients benefit the most: According to interventional radiologist and researcher Dr. Lee Casadaban, the best results have been seen in patients with mild to moderate osteoarthritis. Although patients with more severe conditions can still undergo this procedure, the duration of benefits may be relatively short. Approximately 70 percent of patients experience very good results. Many patients experience a reduction in pain levels by more than half, while in some cases, the pain is almost completely gone.

Scammers are now using the very website used to report cybercrime as a fake website to commit fraud.

If you're searching for a cybercrime reporting website on your browser, stop now. Otherwise, you could be scammed. Let's find out how. Imagine the government created a portal where you can report cybercrime or fraud. But what if to commit fraud? In fact, scammers are using Cybercrime Reporting Portal and a fake website to In fact, recently, a scam has come to light in which by creating fake websites for reporting cybercrime. this on its official account. It features a video showing cybercrime reporting websites that look real for browsers for how to report cybercrime. Scammers websites using screenshots of the National are people defrauded in the name of fake portals? and open it, you may see a notification like 'Your After this, scammers will ask you for money to Cyber ??Dost I4C has appealed to people not to make any payments to anyone. How to avoid this report cyber crime" or "cyber crime website" on cybercrime.gov.in directly on your browser. This will created by the government where you can report

fraudsters start using this very website screenshots of the National commit fraud. What is this new fraud? cybercriminals are defrauding people Cyber ??Dost I4C has posted about that fraudsters have created fake people who are searching on their are defrauding people by creating fake Cybercrime Reporting Portal. How As soon as you reach this fake website Device/Computer has been blocked'. unblock the device. But be aware that panic and also advised them not to fraud? Never search for "how to your browser. Always type http:// take you directly to the official website fraud and avoid being duped.

Did Bindu halt the shooting of Yash Chopra's film for two hours? Actress reveals; she was upset because of her bikini.

Bindu, a popular actress of the 60s and 70s, recently made an interesting revelation. She revealed that the shooting of the film "Joshila" was once halted for two hours because of her. Find out why. Actress Bindu has left her mark with her acting in many popular films. She has entertained audiences with her negative roles. Known as the "Cabaret Queen," Bindu recently made an interesting revelation from the set of the film "Joshila." According to Bindu, she halted the shooting of the film for nearly two hours because she refused to wear a bikini. This halted the shooting for nearly two hours. Bindu explained that no one told her about the costume before shooting, so she refused to wear it. "Called a costume designer on set" - The actress explained that she was surprised to see the bikini costume on the set of "Joshila." She reminisced about her past in a conversation with Vicky Lalwani. Bindu said, "I stopped shooting for two hours because I wasn't ready to wear a proper bikini. A bikini is a bikini. I told Yashji, 'Please... you never told me about this before. I only found out after I arrived on set.'" Yash Chopra said, "Don't worry." Bindu further explained that she immediately called her costume designer to the set, while the rest of the cast and crew had no choice but to wait. Finally, Yash Chopra found a middle ground and calmed everyone down. Yashji said, "Stay underwater as much as possible. We'll shoot that way, and only take side and back shots." Bindu further added that poor Dev Anandji simply sat quietly and said nothing. The shoot was halted for almost two hours. I kept wondering what he might be thinking, but Yashji reassured me and said, "We'll handle it." Don't worry. Yash Chopra took full care of the comfort - Instead of pressuring Bindu to work as per the original plan, Yash Chopra showed great understanding and changed the scene in such a way that she could work comfortably and relaxed. Bindu said, 'He made me get into the water, took shots from there and then filmed only from the side and back. Later, I asked cinematographer Fali Mistry how it looked. He said, 'Don't worry, you look good, not vulgar.' I felt relieved when he said this. Let us tell you that Dev Anand, Hema Malini, Rakhi and Bindu had worked in 'Joshila' which was released in the year 1973.

Appeared in the promo but missing from the film! From Sanjay Dutt to Rahul Dev, where are these actors from "Welcome to the Jungle"?

An important detail has emerged regarding "Welcome to the Jungle." Several actors appeared in the film's announcement video, but have not been seen in the film since its release. Let's find out about them. "Welcome to the Jungle," starring Akshay Kumar and others, was released in theaters yesterday, June 26th. Audiences are loving it and it's performing well at the box office. While the film boasts a large star cast, there are also some actors who were supposed to be cast but weren't. Let's find out about them. These actors appeared in the film: Besides Akshay Kumar, "Welcome to the Jungle" also stars Sunil Shetty, Paresh Rawal, Arshad Warsi, Jackie Shroff, Johnny Lever, Rajpal Yadav, Disha Patani, Jacqueline Fernandez, Raveena Tandon, and Farida Jalal. The audience is praising the acting and work of all the actors. These actors were not seen - According to media reports, when the makers released the announcement video of the film 'Welcome to the Jungle', many other actors were also seen in it. But those actors were not included in the film. These actors include Sanjay Dutt, Mika Singh, Rahul Dev, Inamul Haq and Sharib Hashmi. The makers have not told why these actors were not included in the film. Collection of the film - Directed by Ahmed Khan, the film 'Welcome to the Jungle' is produced by Firoz A Nadiadwala, Vedant Vikas Bali and Rakesh Dang. Till the time of writing this news, this film has collected Rs 28.67 crore at the box office.

Why did Aishwarya Rai Bachchan remind users of Michael Jackson? Find out the connection.

A video of actress Aishwarya Rai Bachchan is going viral on social media, baffling netizens. Seeing the former Miss World reminds people of Michael Jackson. Find out why. Veteran actress and former Miss World Aishwarya Rai has fans worldwide. The actress remains in the headlines for both her acting and beauty. Meanwhile, a video of her has surfaced, reminding people of Michael Jackson. The video is receiving interesting comments from netizens. Why did she remember Michael Jackson? Netizens say they were confused by Aishwarya Rai's look in the video. In fact, Aishwarya Rai Bachchan's appearance made them think she was Michael Jackson. Aishwarya Rai is seen in an all-black outfit, wearing a cap and dark glasses. She quickly moves forward and gets into a car. Why are netizens confused? Seeing Aishwarya Rai in an all-black outfit, netizens immediately thought it was Michael Jackson. American pop singer Michael Jackson, known as the "King of Pop," was also often seen in black outfits. He was fond of wearing various caps. Seeing Aishwarya Rai's first glimpse, people immediately remembered Michael Jackson. Users said, "Good that you told me." Netizens are commenting interestingly on Aishwarya Rai's look. One user wrote, "Why is she acting like Michael Jackson?" Another user wrote, "Good that you told me, otherwise we would have been left wondering who she is." Another user wrote, "We thought it was Michael Jackson."